BEd 1st year

Subject - Teaching of Social Science

TOPIC :- Evaluation (मूल्यांकन)

:- मूल्यांकन अर्थात "मूल्य का अंकन", मूल्यांकन मे इस तथ्य का निर्णय किया जाता है कि कौन सी वस्तु अच्छी है और कौन सी बुरी। अत: जब हम किसी वस्तु का उसके गुण -दोषो के सन्दर्भ मे अवलोकन करते है, तो वहाँ 'मूल्यांकन' निहित है।

— शिक्षा के क्षेत्र मे मूल्यांकन को एक तकनीकी शब्द के रूप मे प्रयोग किया जाता है। इस तकनीकी प्रक्रिया के अन्तर्गत न केवल छात्रो की विषय विशेष सम्बन्धी योग्यता की ही जानकारी प्राप्त की जाती है। साथ ही शिक्षण, पाठ्यक्रम शिक्षण विधियो आदि की सफलता के बारे मे जानकारी प्राप्त करने मे भी मूल्यांकन प्रक्रिया का सहारा लिया जाता है।

परिभाषाएँ :-

रेमर्स एवं गेज के अनुसार :— "मूल्यांकन के अन्दर व्यक्ति या समाज अथवा दोनो की दृष्टि मे जो उत्तम है अथवा वांछनीय है, उसको मानकर चला जाता है।"

कोठारी आयोग के अनुसार :— "मूल्यांकन एक अनवरत प्रक्रिया है, यह सम्पूर्ण शिक्षा प्रणाली का एक अभिन्न अंग है और यह शिक्षण लक्ष्यों से घनिष्ठ रूप से सम्बन्धित है।"

P.T.O.

NCERT के अनुसार :- मूल्यांकन एक प्रक्रिया है, जिसके द्वारा यह ज्ञात किया जाता है कि उद्देश्य किस सीमा तक प्राप्त किये गये हैं, कक्षा में दिये गये अधिगम अनुभव कहाँ तक प्रभावशाली सिद्ध हुए हैं और कहाँ तक शिक्षा के उद्देश्य पूर्ण किये गये हैं।

मान्यताएँ :—

⇒ शिक्षा प्रक्रिया का एकमात्र कार्य बालक के व्यवहार में अपेक्षित व्यवहारीय परिवर्तन लाना है।

⇒ मूल्यांकन उद्देश्यों के निर्धारण के पश्चात उन्हें प्राप्त करने के लिए उपयुक्त मूल्यांकन उपकरण का चयन करना चाहिए।

⇒ मानव व्यवहार अत्यन्त जटिल है। अतः इसके मूल्यांकन हेतु व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों का मापन करना अत्यन्त आवश्यक है।

⇒ मूल्यांकनकर्त्ता को मूल्यांकन विधा की प्रत्येक प्रविधि एवं विभिन्न उपकरणों का भली-भाँति ज्ञान होना चाहिए।

⇒ मूल्यांकन का दायित्व विद्यालय, व्यक्ति एवं अभिभावक सभी पर होता है।

⇒ मूल्यांकन के सिद्धान्तों एवं नैतिक मूल्यों का यथासम्भव पालन करना चाहिए।
(i) त्रुटि के स्रोतों को पहचाना जा सकता है।
(ii) त्रुटि को कम किया जा सकता है।
(iii) त्रुटि का अनुमान लगाया जा सकता है।
(iv) फिर भी त्रुटि रह सकती है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

मूल्यांकन के उद्देश्य :—

⇒ मूल्यांकन का प्रमुख उद्देश्य छात्रों का वर्गीकरण करना है।

⇒ मूल्यांकन के द्वारा छात्रों को उचित शैक्षिक एवं व्यावसायिक मार्ग निर्देशन प्रदान किया जाता है।

⇒ मूल्यांकन के द्वारा पाठ्यक्रम में उचित संशोधन किया जा सकता है।

⇒ मूल्यांकन का प्रयोग छात्रों में अधिगम की मात्रा ज्ञात करने में किया जाता है।

⇒ मूल्यांकन के द्वारा शिक्षकों की कुशलता एवं सफलता का मापन किया जाता है।

⇒ मूल्यांकन के द्वारा छात्रों की दुर्बलताओं एवं योग्यताओं की जानकारी प्राप्त करने में सहायता मिलती है।

⇒ मूल्यांकन शिक्षण विधियों की उपयुक्तता की जाँच करता है।

⇒ मूल्यांकन का मुख्य उद्देश्य छात्रों को अपनी समस्याएँ समझने एवं उनको प्रगति के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान करना भी है।

मूल्यांकन प्रविधियाँ (Evaluation Method)

⇒ गुणात्मक प्रविधियाँ (Qualitative Method)

⇒ मात्रात्मक प्रविधियाँ (Quantitative Method)

P.T.O.

Scanned with CamScanner

⇒ **Qualitative Method :-** निम्न प्रकार की है।

Qualitative Method

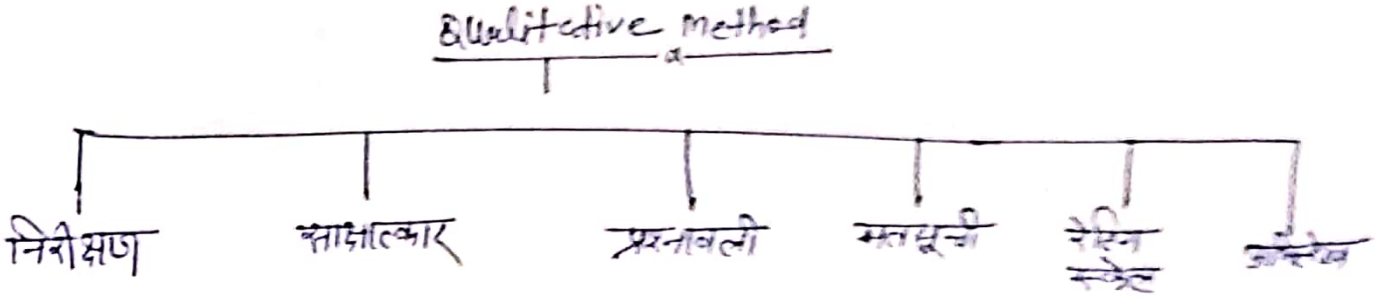

- निरीक्षण
- साक्षात्कार
- प्रश्नावली
- मतसूची
- रेटिंग स्केल
- अभिलेख

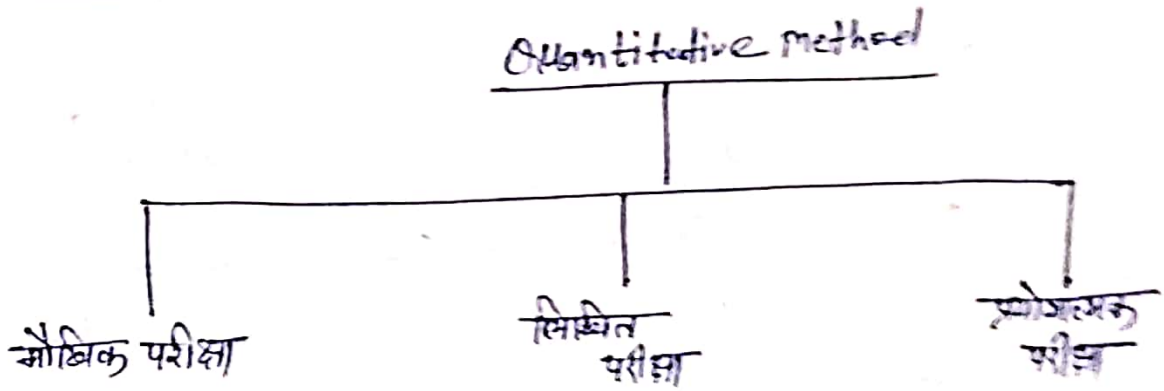

⇒ **मात्रात्मक प्रविधियाँ :-**

Quantitative Method

- मौखिक परीक्षा
- लिखित परीक्षा
- प्रयोगात्मक परीक्षा

Assistant professor :-

B.R. College of Higher Edu. & Tech. Deoband SRE.

Praveen Raj

Scanned with CamScanner